

## लोक प्रशासन / PUBLIC ADMINISTRATION

### प्रश्न-पत्र I / Paper I

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250

Maximum Marks : 250

#### प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं ।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

#### Question Paper Specific Instructions

**Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :**

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.



Download FREE UPSC E-BOOKS

FREE!

CLICK HERE

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

- (a) वाल्डो की 'दि ऐडमिनिस्ट्रेटिव स्टेट' परंपरागत आधारिकाओं में से कुछ को एक मौलिक चुनौती प्रदान करती है। स्पष्ट कीजिए।

Waldo's 'The Administrative State' provides a fundamental challenge to some of the orthodox premises. Explain.

- (b) चर्चा कीजिए कि सार्वजनिक वरण थियोरी, दक्ष और प्रभावी प्रशासन की दृश्य-कल्पना में, किस प्रकार 'परिचालन' (स्टीयरिंग) की संकल्पना को प्रोन्नत करती है और 'खेवाई' (रोइंग) की संकल्पना का महत्त्व कम कर देती है।

Discuss how the Public Choice Theory promotes the concept of 'Steering' and undermines the concept of 'Rowing' in visualising efficient and effective administration.

- (c) "प्रत्यायोजित विधिनिर्माण एक आवश्यक बुराई है।" टिप्पणी कीजिए।  
"Delegated Legislation is a necessary evil." Comment.

- (d) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि मध्य-1970 का चमत्कारी उपागम, नेतृत्व की चिरसम्मत (क्लासिकल) विशेषक (ट्रेट) थियोरी का एक "नया रूपांतर" है? कारण प्रस्तुत कीजिए।

Do you agree with the view that the charismatic approach of the mid-1970s is a "new version" of the Classical Trait Theory of Leadership? Give reasons.

- (e) "शब्द नीति कार्यान्वयन कुछ बातों में लोक प्रशासन लेबल से तरजीह देने योग्य है।" तर्क प्रस्तुत कीजिए।

"The term *policy implementation* is in some respects preferable to the label *public administration*." Argue.



- Q2. (a) “वैश्वीकरण ने राज्य की प्रकृति और अभिलक्षण को पारंपरिक प्रशासनिक कल्याणकारी राज्य से बदल कर एक ‘कॉर्पोरेट राज्य’ बना दिया है।” इस संदर्भ में, लोक प्रशासन की प्रकृति में आए परिवर्तनों का विश्लेषण कीजिए।  
“Globalisation has transformed the nature and character of State from traditional administrative Welfare State to a Corporate State.” Analyse the changes in the nature of public administration in this context. 20
- (b) “समसामयिक संगठनात्मक थियोरी, संगठनात्मक पारिस्थितिकी के मुकाबले चैस्टर बर्नार्ड की फंक्शन्स ऑफ़ द ऐग्जिक्यूटिव से ज्यादा दूर स्थित प्रतीत होती है।” बर्नार्ड के विचारों में, पारिस्थितिकीय तत्त्वों के प्रकाश में, इस कथन का परीक्षण कीजिए।  
“Contemporary Organisational theory seems further afield of Chester Barnard’s *Functions of the Executive* than of organisational ecology.” Examine the statement in the light of ecological elements in Barnard’s thought. 15
- (c) “पी.पी.पी. (PPP) अत्यधिक पार्टियों और अत्यधिक हितों की सेवा करती है ... जिस कारण से फोकस ओझल हो जाता है।” इस कथन के संदर्भ में, लोक-निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) में शामिल पार्टियों और उनके परस्पर विरोधी लक्ष्यों की पहचान कीजिए।  
“PPPs serve too many parties and too many interests ... to be focussed.” Identify in the context of the statement, the parties involved in Public-Private Partnerships and their conflicting aims. 15
- Q3. (a) “फोलेट की कृति विचारों के द्वंद्व को सुलझाने की दिशा में नहीं थी, परन्तु वह तो कामगारों और पूँजीपतियों के बीच के संरचनात्मक द्वंद्वों को सुलझाने की दिशा में थी।” इस कथन के प्रकाश में गत्यात्मक प्रशासन के फोलेट के विचार का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।  
“Follett’s work was not directed towards the resolution of the conflict of ideas, but towards the resolution of structural conflicts between workers and capitalists.” In the light of the statement critically evaluate Follett’s idea of dynamic administration. 20
- (b) “सूचना किसी भी संगठन के प्रकार्यण का जीवन-रुधिर होती है।” निर्णयन में संप्रेषण की उपयोगिता और महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।  
“Information constitutes the life-blood of the functioning of an organisation.” Explain the utility and significance of communication in decision-making. 15
- (c) “विधायी कार्रवाई पर नैसर्गिक न्याय (नैचुरल जस्टिस) के नियम लागू नहीं होते हैं।” नैसर्गिक न्याय के नियम के अपवादों को स्पष्ट कीजिए।  
“Legislative action is not subject to the rules of natural justice.” Explain the exceptions to the rule of natural justice. 15

- Q4. (a) “‘जन माँगपत्र’ के दिनों से प्रारम्भ करते हुए ‘प्रिकेरियट माँगपत्र’ की नई संकल्पना तक, ‘नागरिक माँगपत्र’ की संकल्पना तथा माँगपत्र की परिधि निरन्तर विकसित होती जा रही है।” टिप्पणी कीजिए।

“Right from the days of the ‘Peoples’ Charter’ to the new concept of ‘Precariat Charter’, the concept of Citizen’s Charter and its scope is constantly evolving.” Comment.

20

- (b) “अधिकारी-तंत्र का वेबरीय मॉडल जब आधुनिक लोकतांत्रिक प्रशासन पर लागू किया जाता है, तब उसमें भावात्मक प्रामाण्य (इमोशनल वैलिडिटी) की कमी हो जाती है।” टिप्पणी कीजिए।

“Weberian model of bureaucracy lacks emotional validity when applied to modern democratic administration.” Comment.

15

- (c) आप इस विचार से किस सीमा तक सहमत हैं कि मीडिया का बढ़ता हुआ प्रभाव सरकार के द्वारा अपनी कार्यसूची निश्चित करने में बाधा डालता है ?

How far do you agree with the view that the growing influence of media comes in the way of agenda-setting by the Government ?

15



खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : 10×5=50

- (a) “तुलनात्मक निष्पादन मापन (सी.पी.एम.) दैनिक कार्य अनुभव और तुलनात्मकता (कम्पैरेटिविज़्म) के अधिक व्यापक क्षितिज के बीच सेतु का कार्य करता है।” स्पष्ट कीजिए।

“Comparative Performance Measurement (CPM) bridges everyday work experience with the broader horizons of comparativism.” Explain.

- (b) समकालीन नियोक्ता - कर्मचारी सम्बन्ध में व्हिटलेवाद की प्रासंगिकता का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the relevance of Whitleyism in contemporary employer – employee relationship.

- (c) “राजनीतिक प्रक्रम पर प्रभाव डाले बिना बजटीय प्रक्रम में कोई भी महत्त्वपूर्ण परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।” (विल्डेवस्की)। विश्लेषण कीजिए।

“No significant change can be made in the budgetary process without affecting the political process.” (Wildavsky). Analyse.

- (d) “नीति निर्माताओं की प्रशंसक प्रणालियों में लक्ष्य, मानकों (नॉर्म) और मूल्यों के गौण होते हैं।” (विकर्स)। स्पष्ट कीजिए।

“In the appreciative systems of policy makers, goals are subsidiary to norms and values.” (Vickers). Explain.

- (e) दर्शाइए कि किन बातों में लिंग और विकास उपागम, महिला और विकास उपागम से भिन्न है।

Show in what way the Gender and Development approach differs from the Woman and Development approach.

- Q6.** (a) “प्रशासनिक नैतिकता, व्यक्तिगत और संव्यावसायिक जवाबदेही के अधीन, परिभाषित की जा सकने वाली उचित संगठनात्मक सीमाओं के भीतर, खोजे जा सकने वाले केंद्रस्थ सामाजिक मूल्यों पर आधारित, स्वतंत्र रूप से निर्णय मानकों की मीमांसा करने का एक प्रक्रम है।” (डेनहार्ड)। स्पष्ट कीजिए।  
“Administrative ethics is a process of independently critiquing decision standards, based on core social values that can be discovered, within reasonable organisational boundaries that can be defined, subject to the personal and professional accountability.” (Denhardt). Explain. 20
- (b) “लेनिन की समाजवादी प्रबंधन की संकल्पना से तात्पर्य समाजवादी समाज के संगठनात्मक विकास का निदेशन करना है।” स्पष्ट कीजिए।  
“Lenin’s concept of Socialist management refers to directing the organisational development of Socialist society.” Explain. 15
- (c) “नीति संप्रदान (पौलिसी डिलिवरी) को हिसाब में लिए बिना, नीति विश्लेषण अपूर्ण रहता है।” तर्क पेश कीजिए।  
“Policy analysis is incomplete without taking into account policy delivery.” Argue. 15
- Q7.** (a) फेरल हैडी तुलनात्मक प्रशासन में विकास की तीन अवस्थाओं की किस प्रकार बुद्धिसंगत व्याख्या करता है ?  
How does Ferrel Heady rationalize the three stages of development in comparative administration ? 20
- (b) ‘आचार संहिताओं’ और ‘नैतिकता संहिताओं’ के बीच विभेदन कीजिए। अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए।  
Distinguish between ‘Codes of Conduct’ and ‘Codes of Ethics’. Justify your answer. 15
- (c) “ई-शासन नागरिक और राज्य के बीच एक सीधा सम्बन्ध उत्पन्न करता है।” इस संदर्भ में, निर्वाचित प्रतिनिधियों की परिवर्तनशील भूमिका स्पष्ट कीजिए।  
“E-Governance creates a direct relationship between the Citizen and the State.” In this context, explain the changing role of the elected representatives. 15



- Q8. (a) “नीति विकल्प में राजनीतिक साध्यता की संकल्पना एक संभावनात्मक संकल्पना है और वह प्रत्येक नीति विकल्प से सम्बन्धित होती है।” उपर्युक्त कथन के सम्बन्ध में, ड्रोर के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

“The concept of political feasibility in policy alternative is a probabilistic concept and is related to each policy alternative.” In the context of the above statement analyse Dror’s contribution. 20

- (b) “पद-वर्गीकरण ड्यूटियों (कर्तव्यों) और उत्तरदायित्वों, कार्य दशाओं और अर्हता आवश्यकताओं के बीच एक त्रिपक्षीय सम्बन्ध स्थापित करने का प्रयास करता है।” सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

“The position-classification attempts to establish a triangular relationship between duties and responsibilities, working conditions and qualification requirements.” Elucidate. 15

- (c) “मिस (MIS), पर्ट (PERT) और सी.पी.एम. (CPM) ने संगठन एवं पद्धति (O & M) के पुनर्आविष्कार के प्रक्रम में तेजी ला दी है।” उपर्युक्त कथन के संदर्भ में, प्रबंधकीय तकनीकियों में हाल की प्रगतियों को स्पष्ट कीजिए।

“MIS, PERT and CPM have accelerated the process of reinventing O & M.” In the context of the above statement, explain the recent developments in managerial techniques. 15

